MHNSC-4.3

Sl. No.

IV Semester M.A. Degree Examination, May/June - 2026

HINDI

दलित साहित्य

Dalit Sahitya

(CBCS SLM Scheme)

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

Instructions to Candidates :-

All Sections are compulsory.

SECTION - A

I. किन्हीं चार की संदर्भ सहित व्यख्या कीजिए। **(4×5=20)**

1. ''दुबले–पतले, मध्यम कद और गेहुआँ रंग के टाकभौरे जी के सिर पर सामने बाल नहीं थे।''
2. ''गंभीर स्वभाव के साथ, न मेरे पास बैठते, न मुझसे बातें करते, न कोई हँसी–मजाक की ही बात करते।''
3. यह मान्यता गलत है कि यज्ञ करने से भगवान इन्द्र प्रसन्न होंगे और तब वर्षा होगी। वर्षा होगी मानसून के ''आने से।''
4. हमारा कर्तव्य बनता है कि हम चाहे जिस क्षेत्र में जाए लेकिन अपने लोगों का ध्यान रखे, ''उनकी मदद करें।''
5. मेरी हथेलियाँ भीग–भीग जाती हैं
   पसीने से
   आँखों में उतर आता है
   इतिहास का स्याहपन
   अपनी आत्मघाती कुटिलताओं के साथ
   जब भी देखता हूँ मैं
   झाड़ू या गंदगी से भरी बाल्टी–कनस्तर
6. किसी हाथ में
   मेरी रगों में
   दहकने लगते हैं
   यातनाओं के कई हजार वर्ष एक साथ
   जो फैले हैं इस धरती पर
   ठंडे रेतकणों की तरह।

[P.T.O.

SECTION - B

II. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3×10=30)**

7. हिंदी के किन्ही दो दलित रचनाकारों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

8. 'बस्स! बहुत हो चुका' कविता के आधार पर ओम प्रकाश वाल्मीकि की दलित चेतना पर विचार कीजिए।

9. 'छप्पर' उपन्यास के प्रमुख पुरूष पात्रों की चारित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

10. आत्मकथा और जीवनी में क्या अंतर है? समझाइए।

11. 'शिकंजे का दर्द' आत्मकथा में प्रस्तुत विषय का विश्लेषण कीजिए।

SECTION - C

III. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2×15=30)**

12. दलित साहित्य का उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

13. 'बस्स! बहुत हो चुका' कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

14. 'छप्पर' उपन्यास का कथासार लिखते हुए, उपन्यास का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

15. 'शिकंजे का दर्द' आत्मकथा में नारी शोषण मुक्ति की संघर्ष यात्रा है। समझाइए।